फ़रवरी
Feb
2026

खंड/Vol. : 51 अंक/Issue : 028
10/02/2026

# समाचार पत्रों से चयनित अंश

# Newspapers Clippings

**डीआरडीओ समुदाय को डीआरडीओ प्रौद्योगिकियों, रक्षा प्रौद्योगिकियों, रक्षा नीतियों, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की नूतन जानकारी से अवगत कराने हेतु दैनिक सेवा**

**A Daily service to keep DRDO Fraternity abreast with DRDO Technologies, Defence Technologies, Defence Policies, International Relations and Science & Technology**

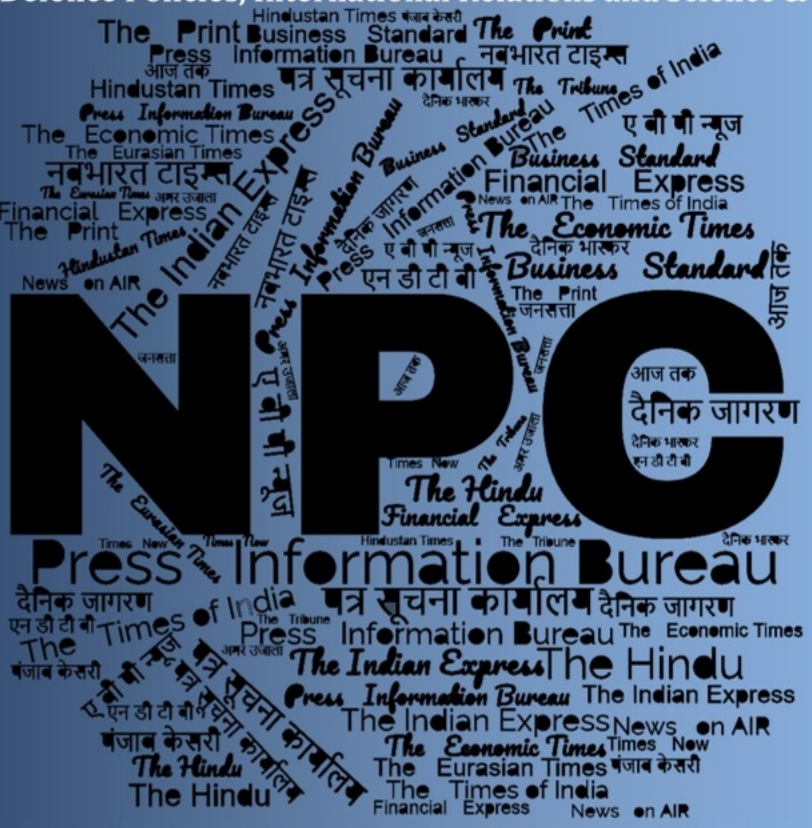


रक्षा विज्ञान पुस्तकालय
Defence Science Library
रक्षा वैज्ञानिक सूचना एवं प्रलेखन केंद्र
Defence Scientific Information & Documentation Centre
मेटकॉफ हाउस, दिल्ली - 110 054
Metcalfe House, Delhi - 110 054

# CONTENTS


| S. No. | Title | *Source* | Page No. |
|---|---|---|---|
| | **Defence News** | | **1-4** |
| **1** | भारत और ग्रीस में रक्षा सहयोग समझौता | *Dainik Jagran* | 1 |
| **2** | India, Greece sign joint declaration of intent to strengthen defence cooperation | *The Indian Express* | 1 |
| **3** | भारत में लड़ाकू विमान बनाने के लिए तैयार स्वीडिश कंपनी | *Dainik Jagran* | 2 |
| **4** | भारत ने नेपाली सेना को सौंपे सैन्य उपयोग वाले 50 विशेष वाहन | *Dainik Jagran* | 3 |
| **5** | 'Enduring bond of friendship': India hands over 50 military utility vehicles to Nepal Army | *The Tribune* | 3 |
| | **Science & Technology News** | | **4-4** |
| **6** | चंद्रयान–4 के लिए इसरो ने लैंडिंग साइट तलाशी | *NavBharat Times* | 4 |

# Defence News

## भारत और ग्रीस में रक्षा सहयोग समझौता

***Source: Dainik Jagran, Dt. 10 Feb 2026***

नई दिल्ली में ग्रीस के रक्षा मंत्री डेंडियास के साथ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह● प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारत और ग्रीस ने द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने को एक संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए, जो साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए पांच वर्षीय रोडमैप विकसित करने का एक प्रारंभिक बिंदु है। यह समझौता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा यहां मानेकशा सेंटर में ग्रीक गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री निकोलाओस-जार्जियस डेंडियास के साथ वार्ता के बाद किया गया।

राजनाथ सिंह ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में ग्रीक पक्ष से इस घोषणा का स्वागत किया कि उस देश का एक अंतरराष्ट्रीय समन्वय अधिकारी सूचना फ्यूजन सेंटर-भारतीय महासागर क्षेत्र (आइएफसी-आइओआर), गुरुग्राम में तैनात किया जाएगा, ताकि दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को बढ़ाया जा सके। सिंह ने कहा, "आज नई दिल्ली में ग्रीक गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री श्री निकोलाओस-जार्जियस डेंडियास से मिलकर खुशी हुई। भारत और ग्रीस ने द्विपक्षीय रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत करने के लिए संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए और वर्ष 2026 के लिए द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना का आदान-प्रदान किया।" दोनों मंत्रियों की उपस्थिति में वर्ष 2026 के लिए एक द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना का भी आदान-प्रदान किया गया, जो दोनों देशों की सशस्त्र सेनाओं के बीच सैन्य संबंधों का मार्ग प्रशस्त करती है।

*

## India, Greece sign joint declaration of intent to strengthen defence cooperation

***Source: The Indian Express, Dt. 10 Feb 2026***

INDIA AND Greece on Monday signed a Joint Declaration of Intent to strengthen defence industrial cooperation between the countries, which will eventually pave the way for developing a five-year roadmap for the partnership between the two countries, the Ministry of Defence said. The agreement was signed following bilateral talks between Defence Minister Rajnath Singh and his Greece counterpart Nikolaos-Georgios Dendias at the Manekshaw Centre.

Welcoming the announcement from the Greek side, Singh later posted on X that an International Liaison Officer from that country will be positioned at the Information Fusion Center-Indian Ocean Region (IFC-IOR), Gurugram, to enhance maritime cooperation between both seafaring nations.

“Delighted to meet the Minister National Defence of the Hellenic Republic, Mr Nikolaos-Georgios Dendias in New Delhi today. India and Greece signed the Joint Declaration of Intent on Strengthening the Bilateral Defence Industrial Cooperation and exchanged the Bilateral Military Cooperation Plan for the year 2026,” he posted. “I welcome the announcement of positioning a Greek International Liaison Officer at Information Fusion Center-Indian Ocean Region (IFC-IOR), Gurugram, to enhance maritime cooperation between both sea faring nations,” he said.

According to a statement from the Ministry of Defence, during the meeting, both ministers reiterated that the India-Greece Strategic Partnership is based on shared values of peace, stability, freedom, and mutual respect. The two countries decided to expand capacity of their respective indigenous defence industries through partnership between India's 'Aatmanirbhar Bharat' and Hellenic defence reforms under 'Agenda 2030', the statement said.

"A Joint Declaration of Intent on strengthening defence industrial cooperation between India and Greece was signed, which is a starting point for developing a five-year roadmap," it said. A Bilateral Military Cooperation Plan for 2026 was also exchanged, charting the course for military engagements between the armed forces of both countries, it said. The two ministers discussed issues related to regional peace and security and acknowledged the deepening of their bilateral defence cooperation and strategic ties.

https://indianexpress.com/article/india/india-greece-sign-joint-declaration-of-intent-to-strengthen-defence-cooperation-10523417/

*

# भारत में लड़ाकू विमान बनाने के लिए तैयार स्वीडिश कंपनी

***Source: Dainik Jagran, Dt. 10 Feb 2026***

सिंगापुर, प्रेट्र : स्वीडन की रक्षा कंपनी एसएएबी (स्वेन्स्का एयरोप्लान अक्तीबोलागेट) ने भारत में 'ग्रिपेन ई' लड़ाकू विमान बनाने और तकनीक हस्तांतरण का प्रस्ताव रखा है। अगर यह सौदा हो जाता है, तो अनुबंध होने के तीसरे साल से ही विमानों की आपूर्ति शुरू हो जाएगी। सिंगापुर एयरशो (तीन से आठ फरवरी) के दौरान एसएएबी ने यह प्रस्ताव पेश किया। कंपनी ने भारत में विमान उत्पादन व रखरखाव को शामिल कर दुनिया के सबसे उन्नत एयरोस्पेस उद्योग के निर्माण का वादा किया है।

**तकनीकी पावरहाउस व त्वरित डिलीवरी** : एसएएबी के ग्रिपेन मार्केटिंग आफिसर और वाइस प्रेसिडेंट मिकेल फ्रांजेन ने कहा कि 'ग्रिपेन ई' बाजार में सबसे आधुनिक और किफायती लड़ाकू प्रणाली है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह विमान राफेल और तेजस के साथ मिलकर भारतीय वायुसेना की शक्ति में

ग्रिपेन लड़ाकू विमान ● सौ. इंटरनेट मीडिया

**सिंगापुर एयरशो के दौरान एसएएबी ने पेश किया 'मेक इन इंडिया' का ब्लूप्रिंट, कहा, अनुबंध के तीसरे साल से आपूर्ति होगी**

जबरदस्त वृद्धि करेगा। एसएएबी का मुख्य आकर्षण इसकी त्वरित डिलीवरी है। शुरुआत में स्वीडन से और फिर भारत में उत्पादन की गति को तेजी से बढ़ाया जाएगा। फ्रांजेन ने कहा, '"ग्रिपेन ई के पास किसी भी अन्य फाइटर की तुलना में उच्चतम उपलब्धता है, जो दुश्मन का मुकाबला करने के लिए बेजोड़ मारक क्षमता प्रदान करता है। यह राफेल और तेजस के साथ भारतीय वायुसेना में पूरी तरह फिट होगा।"'

**सबसे बड़ा टेक्नोलाजी ट्रांसफर** : एसएएबी ने भारत को रक्षा विमानन के इतिहास में अब तक के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी हस्तांतरण का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत भारतीय वायुसेना निर्माता की मदद के बिना अपना साफ्टवेयर विकसित और प्रमाणित कर सकेगी। ग्रिपेन की तेजी से बढ़ती एआइ (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) क्षमताएं इसे अन्य विमानों से आगे रखती हैं। यह तकनीक भारत के स्वदेशी पांचवीं पीढ़ी के विमान प्रोजेक्ट (एडवांस मीडियम काम्बैट एयरक्राफ्ट) के लिए 'स्टेपिंग स्टोन' साबित हो सकती है। स्वीडिश रक्षा कंपनी की योजना 300 भारतीय कंपनियों (टियर 1, 2 और 3) को अपने साथ जोड़ने की है। फ्रांजेन के अनुसार, भारत को क्षेत्रीय इंडस्ट्रियल हब के रूप में विकसित किया जाएगा।

*

# भारत ने नेपाली सेना को सौंपे सैन्य उपयोग वाले 50 विशेष वाहन

***Source: Dainik Jagran, Dt. 10 Feb 2026***

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारतीय सेना ने रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूती प्रदान करते हुए नेपाल की सेना को 50 सैन्य उपयोग वाले विशेष वाहन सौंपे हैं। यह वाहन भारत-नेपाल सीमा पर नेपाल सेना को दिए गए। भारतीय सेना ने बताया कि इन वाहनों को काठमांडू में एक औपचारिक समारोह के दौरान प्रस्तुत किया जाएगा।

भारतीय सेना का यह कदम दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे रक्षा सहयोग को और गहराई देता है। एक्स पर एक अन्य पोस्ट में भारतीय सेना ने म्यांमार सेना से सहयोग के बारे में बताया कि मित्र देशों के साथ रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाते हुए भारतीय सेना की मोबाइल प्रशिक्षण टीम ने बाहतू स्थित म्यांमार सेना लड़ाकू बल विद्यालय में 12-लेन पैदल सेना हथियार प्रशिक्षण प्रणाली स्थापित और चालू किया।

*

# ‘Enduring bond of friendship’: India hands over 50 military utility vehicles to Nepal Army

***Source: The Tribune, Dt. 10 Feb 2026***

The Indian Army on Monday said it had handed over 50 military utility vehicles to the Nepal Army at the India-Nepal border, underscoring the “enduring bond” between the two forces. In a post on X, the Indian Army also shared some pictures of the handover. “#DefenceCooperation #IndianArmy handed over 50 military utility vehicles to the #NepaliArmy at the India-Nepal border. The vehicles will be formally presented by the Ambassador of India to Nepal during a ceremony in Kathmandu,” it said.

The initiative reflects the Indian Army's steadfast commitment to enhancing capacity-building efforts of the Nepal Army and "underscores the enduring bond of friendship, trust, and close cooperation" shared between the two armies, the army posted.

In a separate post on X, the Indian Army spoke about its cooperation with the Myanmar Army. "Furthering #DefenceCooperation with Friendly Foreign Countries, the Indian Army Mobile Training Team from the Simulator Development Division installed and operationalised a 12-Lane Infantry Weapon Training Simulator at the Myanmar Army Combat Forces School, Bahtoo," it said. "Comprehensive training was imparted to Myanmar Army personnel on system handling, scenario execution, and technical maintenance," the army said.

https://www.tribuneindia.com/news/india/enduring-bond-of-friendship-india-hands-over-50-military-utility-vehicles-to-nepal-army/amp

*

# Science & Technology News

## चंद्रयान-4 के लिए इसरो ने लैंडिंग साइट तलाशी

***Source: NavBharat Times, Dt. 10 Feb 2026***

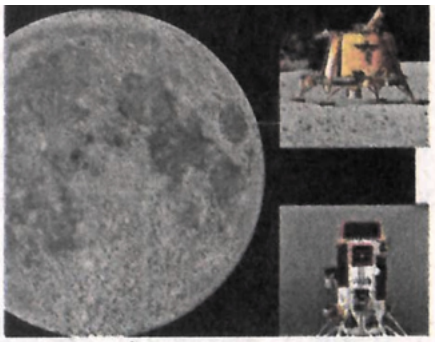

इसरो ने चंद्रयान-4 मिशन के लिए चंद्रमा के साउथ पोल के पास लैंडिंग साइट तलाश ली है। चंद्रयान-2 ऑर्बिटर पर लगे OHRC कैमरे से मिली तस्वीरों के आधार पर वैज्ञानिकों ने मॉन्स माउटन (Mons Mouton) यानी MM-4 क्षेत्र को लैंडिंग के लिए सबसे सही बताया है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, मॉन्स माउटन चंद्रमा के साउथ पोल के पास स्थित करीब 6,000 मीटर ऊंचा पहाड़ है। इसकी चोटी काफी हद तक सपाट है, जो लैंडिंग के लिए अनुकूल है। हालांकि, लैंडिंग साइट पर अंतिम फैसला लॉन्च के करीब लिया जाएगा।

**चांद के साउथ पोल पर मॉन्स माउटन पर उतरेगा यह मिशन**

वैज्ञानिकों के मुताबिक यह इलाका इसलिए भी अहम है, क्योंकि यहां लंबे समय तक सूर्य की रोशनी मिलती है। इसके अलावा वॉटर आइस मौजूद होने की संभावना भी है। इस साइट पर औसतन ढलान करीब 5 डिग्री है, जबकि लैंडर 10 डिग्री तक की ढलान पर उतरने में सक्षम है। यहां बड़े पत्थर कम हैं और ज्यादातर बोल्डर 0.3 मीटर से छोटे हैं, जिससे लैंडिंग का जोखिम कम हो जाता है। इस क्षेत्र से पृथ्वी के साथ रेडियो कम्युनिकेशन भी साफ बना रहता है, जिससे मिशन के दौरान संपर्क में बड़ी दिक्कत नहीं आएगी। चंद्रयान-4 मिशन में चंद्रमा की चट्टानों और मिट्टी को पृथ्वी पर लाया जाना है। इसे इसरो का सबसे मुश्किल मून मिशन माना जा रहा है।

*

The Tribune
The Statesman
पंजाब केसरी जनसत्ता
The Hindu
The Economic Times
Press Information Bureau
The Indian Express
The Times of India
Hindustan Times
नवभारत टाइम्स
दैनिक जागरण
The Asian Age
The Pioneer

© The news items are selected by Defence Science Library, DESIDOC from subscribed National Print Newspapers (mainly on DRDO, Defence and Science & Tech)